

Roll No. :

SANS2111LT
B.A., Semester Second,
Examination, 2021-2022
SANSKRIT LITERATURE
PAPER - First

(संस्कृत काव्य एवं छन्दोऽलंकार)

[Time : 2 Hrs.]

[Maximum Marks : 55]

निर्देश : प्रश्न खण्ड अ एवं ब में विभक्त है। परीक्षार्थी में अपेक्षा है कि प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशों का पालन करे। यदि कोई विशिष्ट भाषा निर्देश न दिया गया हो तो परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा अंग्रेजी भाषा में दे सकते हैं।

खण्ड अ

1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 20 अंक

(क) निर्वर्त्य राज्ञा दयिता दयालुस्ता मौग्ध्यं मूर्ध्निर्गर्भाभिः।

पयोधरोभूतवतुःसमुद्रां जुगोप गोरूपधर्माभिवोलीम् ॥

(ख) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।

तदन्तरं मा विरगन् धनुर्दिनक्षपामभ्यगतेव संभ्या ॥

(ग) नवानभोऽधो बृहतः पयोधरान् समुद्रकपर्परागणपद्मम्।

क्षण क्षणान्स्वप्नगजन्दकानिना स्फुटापमं भूर्तिमन्तं गन्धर्वम् ॥

SANS2111LT/3

(1)

[PTO]

(घ) विभक्त्य तस्यापचिति प्रसूय, प्रकाममप्रीयते कल्पना प्रियः।

पहीतुमायीन परित्यज्य मृहमहानुभावा हि नितान्तमार्थिनः॥

2 निम्नलिखित में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

10 अंक

(क) कालिदास का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व लिखिए।

(ख) शिशुपालवधम् के प्रथम सर्ग का साग अपने शब्दों में बताइए।

(ग) रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग में वर्णित नन्दनी का चित्रण कीजिए।

खण्ड - ब

3 (क) अनुष्टुप् छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

10 अंक

अथवा

मन्दाक्रान्ता छन्द की परिभाषा एवं उदाहरण बताइए।

(ख) त्वमेव माता च पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ।

त्वमेन विद्या द्रविण त्वमेन

त्वमेन मर्त्यं माम देव देवः

SANS2111LT/3

(1)

अथर्ववेदं हि धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

अथर्ववेदं हि धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

अथर्ववेदं हि धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

4

अथर्ववेदं हि धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

(क) अनुष्ठान अथर्ववेदं धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

(ख) अनुष्ठान अथर्ववेदं धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

(ग) अनुष्ठान अथर्ववेदं धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

(घ) अनुष्ठान अथर्ववेदं धनं धनं धनं धनं धनं धनं ।

<https://www.ssjuonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से